EDII

Kanpur - SNB

March 12, 2022

कौशलयुक्त मानव संसाधन का ही वर्तमान युग : प्रो.पाठक

विजन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन की कार्यशाला में प्रो. विनय कुमार पाठक।

कानपुर (एसएनबी)। विजन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के तत्वावधान में आयोजित ' टेक टू मीट चैलेंज ऑफ फ्यूचर' विषयक कार्यशाला में मुख्य अतिथि सीएसजेएमयू कुलपति प्रो.विनय कुमार पाठक ने कहा कि वर्तमान युग कौशलयुक्त मानव संसाधन का है। आने वाले युग में पद प्रतिष्ठा के वजाय कार्य कौशल ज्ञान की अधिक मांग होगी। ऐसे में हम पर कौशलयुक्त नई पीढ़ी के सृजन की वड़ी जिम्मेदारी है।

कुलपति ने इस अवसर पर संस्थान में सेंसर वेस्ड वर्मी कंपोस्ट प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर संस्थान के विद्यार्थियों ने नई उभरती हुई तकनीकों पर प्रोजेक्ट्स भी प्रदर्शित किये, जिसकी कुलपति ने सराहना की। संस्थान के सचिव विशाल पांडे ने सभी का स्वागत किया। कृषि उपनिदेशक अरुण कुमार चौधरी, आईआईटी कानपुर के प्रो.कंतेश वलानी, एचवीटीयू के कम्प्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष प्रो.नरेन्द्र कोहली, डॉ.वंदना दीक्षित, मो.रेहान, सतीश तिवारी सहित अन्य लोग थे।

सीएसजेएमयू शिक्षकों को कराया गया स्टार्टअप्स इको सिस्टम के विकास का ज्ञान

कानपुर (एसएनबी)। सीएसजेएमयू व संवद्ध कॉलेजों के छात्रों के वीच स्टार्टअप्स के विकास को गति देने के क्रम में विवि के छह सदस्यीय एक दल ने ईडीआईआई, गांधीनगर द्वारा आयोजित स्टार्टअप ओरियेंटेशन कार्यक्रम में भागीदारी की। पांच दिवसीय इस कार्यक्रम में स्टार्टअप, उद्यमिता एवं नवाचार के विकास पर विस्तृत चर्चाएं की गईं। शिक्षकों को छात्रों को मोटिवेट करने के लिए जरूरी तथ्यों का ज्ञान कराया गया। स्टार्टअप के लिए तकनीक के उपयोग व विविध फंडिंग स्कीमों के साथ ही स्टार्टअप इको सिस्टम विकसित करने के संदर्भ में आवश्यक जानकारी दी गई।

उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीएसजेएमयू के इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेल की सदस्य डॉ.शिल्पा कायस्थ देशपांडे के साथ ही डॉ.एकता खरे, डॉ.प्रभात द्विवेदी, डॉ.शिवेंदु रंजन, डॉ.प्रशांत द्विवेदी व डॉ.श्री हर्ष ने भाग लिया। सीएसजेएमयू कुलपति प्रो.विनय कुमार पाठक ने प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटे विवि शिक्षकों को प्रोत्साहित करते हुए कानपुर के ग्रामीण अंचलों में कृषि आधारित एग्रोटेक स्टार्टअप्स के विकास की दिशा में ध्यान केन्द्रित करने को कहा है। ईडीआईआई द्वारा आयोजित उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश की राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीवेन पटेल की पहल पर सीएसजेएमयू के अतिरिक्त प्रदेश के तीन अन्य विश्वविद्यालयों के 14 शिक्षकों ने भाग लिया।